to Khandwar for its suitability for cement manufacture in the Riasi area, Jammu province

Detailed investigation of the Jangalgali coal field by drilling

Investigation of lead, zinc and copper deposits in the 'Great Limestone belt' of Riasi area

Detailed investigation of gypsum deposits at Batot by drilling

Geological examination of the Sumahal mineralised spur

Drilling of lignite in Nichahom area was commenced on the 26th July, 1958, and a total depth of 297' was drilled in borehole No 1

Geological examination of the Muttal-Lain area

Short-term investigation on the geological feasibility of the following projects —

Dhyangarh, Tardalah, Dera and Ujh dam sites

Detailed sub-surface explorations and the geological condition of construction materials at Jawahar (Banihal) tunnel

ईसाई धर्म का प्रचार

१४५६ श्री प्रकाश वीर शास्त्री : क्या गृह-कार्य मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत पाच वर्षों मे ईसाई धर्म के प्रचार के लिये विदेशो से कितना धन भारत में आया ,

(ख) इसमे अमरीका से कितना आया है, और

(ग) इस समय भारत मे कितने विदेशी पादरी ईसाई धर्म का प्रचार कर रहे है और अखड भारत में उन की कुल सख्या कितनी थी ?

गृह-कार्य मत्रालय मे राज्य-मत्री (श्री दातार)

	१९५३	१९५४	१९५५	१९५६	१९५७ जनवरी स जून तक
(क) भारत मे विदेशी ईसाई धर्म प्रचारको को १९५३ से १९५६ और पहली जनवरी १९५७ मे ३० जून, १९५७ तक मिली कुल विदेशी सहायता (लाख रुपयो में)	७,२०	८,१३	९,१३	*९,२७	*५,११
(ख) अमरीका मे	५,१३	५,९६	६,९१	*६,६४	*३,६९

नोट यह सूचना प्राप्त नही है कि इस रकम मे से कितनी ईसाई धर्म प्रचार के लिए थी ।

(ग) पहली जनवरी १९५८ को भारत में ४८४४ रजिस्टर्ड विदेशी ईसाई धर्म प्रचारक थे । प्राप्त सूचना के अनुसार १५ अगस्त, १९४२ से १४ अगस्त, १९४७ तक के पाच सालो में भारत में २२७१ विदेशी धर्म प्रचारक रजिस्टर्ड थे ।

*यह आंकडे अन्तिम नही है ।